



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 इतिहास नेहरू-गांधी परिवार के 'आत्मसमर्पणों' से भरा : भाजपा

6 राम मंदिर के स्वर्ण शिखर की आभा से आलोकित हुआ राष्ट्र

7 मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं, समाज में बदलाव लाना भी है : मानुषी छिल्लर

फ़र्स्ट टेक

भारत ने तीन भारतीयों को बचाने के लिए ईरान को धन्यवाद दिया

तेहरान/भाषा। भारत ने पिछले महीने लापता हुए तीन भारतीयों को सुरक्षित बचाने के लिए बुधवार को ईरान को धन्यवाद ज्ञापित किया। भारत ने कहा कि ईरान का समर्थन दोनों देशों की "मित्रता की सच्ची भावना" को दर्शाता है। ईरान से संचालित समाचार एजेंसी 'तस्नीम' ने मंगलवार को अपनी खबर में कहा, "दक्षिणी तेहरान के वरामिन में बंधक बनाने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई और बंधकों को मुक्त करा लिया गया।" ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "तीनों अपहृत भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है और अब वे भारतीय दूतावास की देखरेख में हैं, जो उनकी शीघ्र स्वदेश वापसी में सहायता कर रहा है।" भारतीय दूतावास ने कहा, "हम उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए ईरान सरकार की त्वरित और प्रभावी कोशिशों के लिए उनका दिल से धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।"

वियतनाम ने दो बच्चों की नीति को खत्म किया

हनोई/एपी। वियतनाम ने घटती हुई जन्म दर को रोकने और देश में बुजुर्गों की बढ़ती संख्या के दबाव को कम करने के प्रयास के तहत लंबे समय से लागू दो बच्चों की अपनी नीति को समाप्त कर दिया है। वियतनाम की सरकारी समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि नेशनल असंबली ने उन नियमों को खत्म करने के लिए संशोधन पारित किया है, जो परिवारों को एक या दो बच्चे पैदा करने की ही अनुमति देते थे। मौजूदा समय में वियतनामी परिवारों में पहले की तुलना में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं। वियतनाम में वर्ष 2021 में जन्म दर प्रति महिला 2.11 बच्चे थी, जो कि लंबे समय में जनसंख्या में कमी से बचने के लिए आवश्यक प्रतिस्थापन दर से थोड़ा अधिक है।

बांग्लादेश ने मुजीबुर्रहमान की राष्ट्रपिता की उपाधि वापस ली

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कानून में संशोधन करके बंगबंध शेख मुजीबुर्रहमान की राष्ट्रपिता की उपाधि वापस ले ली है और उनका उल्लेख स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर किया गया है। बुधवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के संस्थापक और उपवर्ध प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान के चित्र को नए मुद्रा नोटों से हटाने के कुछ दिन बाद मंगलवार को यह कदम उठाया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन करते हुए स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा में परिवर्तन कर दिया है।

05-06-2025 06-06-2025
सूर्योदय 6:44 बजे सूर्यास्त 5:52 बजे

BSE 80,998.25 (+260.74)
NSE 24,620.20 (+77.70)

सोना 10,098 रु. (24 कैरट) प्रति ग्राम
चांदी 100,550 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



केलाशा मण्डेला, मो. 9828233434

जय अवसरवाद

दुश्मन का दुश्मन मित्र सदा, कावण्य नीति आदर्श माना।
हैं लक्ष्य सभी का बस सत्ता, बिन इसके सेवा व्यर्थ जान।
कर रहे समर्थन या विरोध, सब कुछ फर्जी वादे जुबान।
अवसरवादी छाप चहुं दिश, है लोकतंत्र फिर भी महान।।



आरसीबी की पहली

आईपीएल जीत का जश्न मातम में बदला

■ भगदड़ में 11 की मौत, मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। आरसीबी की पहली आईपीएल जीत का जश्न बुधवार को मातम में बदल गया जब चिन्नारस्वामी स्टेडियम के बाहर टीम की झलक पाने के लिये हजारों प्रशंसकों के जुटने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 11 की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "बेंगलूर में चिन्नारस्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 घायल हुए हैं। दो तीन लाख से ज्यादा लोग जुटे थे जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।"

न्यायिक जांच के आदेश

उन्होंने यह भी कहा कि स्टेडियम में 35000 दर्शक ही आ सकते थे। उन्होंने मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिये हैं और मृतकों के परिजनों को दस लाख रुपये मुआवजा देने की भी घोषणा की। यह भगदड़ तब हुई जब हजारों प्रशंसक अलग अलग दरवाजों से स्टेडियम के भीतर घुसने के लिये जमा हो गए। पुलिस के लिये उन पर नियंत्रण कर पाना मुश्किल हो गया जिससे



अफरा तफरी फैल गई और खुशी का माहौल गम में बदल गया। पुलिस ने कर्नाटक प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के सम्मान में आयोजित समारोह से पहले स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए हल्का बलप्रयोग भी किया। इस बीच खिलाड़ियों का सम्मान समारोह स्टेडियम के भीतर जारी रहा। स्टेडियम के बाहर लोगों के गिरने, पुलिस द्वारा घायलों को अस्पताल ले जाने और एंबुलेंस में लोगों के अचेत होने की तस्वीरें लगातार आती रही। अचेत हुए लोगों को सीपीआर देने के दृश्य भी सामने आये।

घायलों को बोरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल और अन्य अस्पतालों में भेजी कारया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार मौत का कारण दम घुटना हो सकता

है। अस्पताल में भी हृदय विदारक दृश्य देखने को मिले जहां अपने प्रियजनों को खोने वाले लोग आंसुओं पर काबू नहीं रख पा रहे थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुःख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे को हृदय विदारक बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, बेंगलूर में हुई दुर्घटना बहुत ही हृदयविदारक है। इस दुःख घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भगदड़ में हुई मौतों पर गहरा दुःख व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री डी के शिवाकुमार ने कहा, "भीड़

भीड़ ने गेट तोड़े और भगदड़ जैसी स्थिति हो गई : शिवकुमार

बेंगलूर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि लोगों की भीड़ ने गेट तोड़ दिए जिसके कारण यहां चिन्नारस्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। शिवकुमार ने कहा, "लोगों की भीड़ ने गेट तोड़ दिए। मुझे लगता है कि बड़े पैमाने पर भगदड़ मची है। मैंने पुलिस आयुक्त और अधिकारियों से बात की है...मौतों की सही संख्या अभी भी पता नहीं है। हम इस हादसे पर नजर बनाए हुए हैं, और सभी से शांत रहने की अपील करते हैं।" उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह उन अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं, जहां घायलों इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री, मंत्री और पुलिस अधिकारी पहले से ही घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, "वहां बहुत अधिक भीड़ थी। हमने हवाई अड्डे से ही देखा। इसलिए हमने जुलूस रद्द करने का फैसला किया और उन्हें (टीम को) बंद गाड़ी में ले गए। कम से कम विधान सभा से जुलूस निकालने का अनुरोध किया गया था। बारिश के कारण भीड़ अनियंत्रित हो गई, इसलिए हमने यह जुलूस भी रद्द कर दिया। यहां स्टेडियम में भी जुलूस की व्यवस्था थी एक घंटे का कार्यक्रम। हमने निर्देश दिया था कि इसे 10-15 मिनट में समाप्त कर दिया जाए और उसी के अनुसार यह किया गया।"

अनियंत्रित हो गई और पुलिस के लिये मुश्किल हो गया था जिससे हथें जुलूस रोकना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न की बेहतर योजना बनाई जानी चाहिये थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पीटीआई से कहा, "इस स्तर के जीत के जश्न के आयोजन के लिये पर्याप्त एहतियात बरती जानी

चाहिये थे और सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखना था। कहीं न कहीं तो कोई चूक हुई है।" वहीं आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा "जिस भी जांच की जरूरत होगी, वह की जायेगी। यह बीसीसीआई का आयोजन नहीं था। यह दुःखद और त्रासद है। जश्न यूं त्रासदी में बदल गया। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति हमारी संवेदनायें।"

चाहिये थे और सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखना था। कहीं न कहीं तो कोई चूक हुई है।" वहीं आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा "जिस भी जांच की जरूरत होगी, वह की जायेगी। यह बीसीसीआई का आयोजन नहीं था। यह दुःखद और त्रासद है। जश्न यूं त्रासदी में बदल गया। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति हमारी संवेदनायें।"

ज्योति मल्होत्रा के संपर्क में रहा पंजाब का यूट्यूबर गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ कथित रूप से निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने पंजाब के यूट्यूबर को आतंकवाद समर्थित एक जासूसी नेटवर्क का पता चलने के बाद गिरफ्तार किया जो उसे पाकिस्तानी खुफिया और सैन्य अधिकारियों से जोड़ता है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि जसबीर सिंह गुप्ता जान महल (41) कथित तौर पर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी कर रहा था। पुलिस ने बताया कि रुपनगर के महलान गांव निवासी सिंह यूट्यूब चैनल जानमहल वीडियो चलाता था, जिसके 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर थे और वह यात्रा और खाना पकाने से संबंधित सामग्री पोस्ट करता था।

अमेरिका के दौरे पर आए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा

भारत के साथ साझेदारी को लेकर दूसरे देश उत्साहित

■ हम शांति से रहना चाहते हैं। हम चाहेंगे कि हमारा पड़ोसी स्थिर हो। कोई भी नहीं चाहता कि कोई अस्थिर उन्मादी आपके बगल में रहे।

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के दौरे पर आए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद तेजस्वी सुर्या ने कहा है कि भारत में निवेश थरूर की अगुवाई वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के चार देशों के दौरे के दौरान उत्साही प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला। यह प्रतिनिधिमंडल ब्राजील की यात्रा पूरी करने के

बाद मंगलवार को अमेरिका पहुंचा। इसके पहले प्रतिनिधिमंडल गुयाना, पनामा एवं कोलंबिया की यात्रा कर चुका है। भाजपा सांसद ने कहा, "हर एक देश इस बात को लेकर उत्साहित था कि वे भारत को बचा दे सकते हैं और भारत उन्हें क्या दे सकता है।" उन्होंने रेखांकित किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े तथ्यों को सामने रखने के साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने विनिर्माण और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संभावित साझेदारी पर भी बात की।

सुर्या ने कहा, "कई देश जो विनिर्माण में रुचि रखते हैं, जो प्रौद्योगिकी में रुचि रखते हैं, वे भारत के साथ साझेदारी करना चाहते हैं।" उन्होंने कहा, "लोग जानते हैं कि भारत में निवेश लोकतंत्र में निवेश जिम्मेदार नागरिक नेतृत्व में निवेश है। इसका मतलब वैश्विक प्रगति भी है।" उन्होंने कहा कि पिछले 20-30 वर्षों में दुनिया को हिला देने वाले हर आतंकवादी हमले की जांच सीधे या परोक्ष रूप से पाकिस्तान से जुड़ती रही है।

सरकार ने की जातिगत गणना के साथ जनगणना कार्यक्रम की घोषणा

■ लद्दाख में जातिगत गणना के साथ जनगणना के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर, 2026 को होगी जबकि बाकी देश में एक मार्च, 2027 से होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जातिगत गणना के साथ जनगणना के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर, 2026 को होगी जबकि बाकी देश में इस प्रक्रिया की संदर्भ तिथि एक मार्च, 2027 से होगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया, "जातिगत गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।" इसमें कहा गया, "केंद्र शासित

प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 2026 के पहले अक्टूबर की आधी रात बारह बजे होगी।" विज्ञप्ति में कहा गया, "जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।" भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है।

मस्क ने ट्रंप के कर विधेयक को 'घृणित' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/एपी। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर और खर्च में कटौती के विधेयक को "घृणित" करार दिया है। रिपब्लिकन पार्टी के विधायी एजेंड के केंद्रबिंदु माने जाने वाले इस विधेयक को निशाना बनाने वाला मस्क का यह बयान रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा में पार्टी में उनकी प्रभाव की परीक्षा होगा।

मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में उनके सम्मान में विवादाि समारोह आयोजित किया था। मस्क ने कुछ दिन पहले सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व

किया था और हाल में उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। मस्क ने "एक्स" पर लिखा, "मुझे खेद है लेकिन मैं अब इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता।" उन्होंने कहा, "खर्च संबंधी संवाद का यह बड़ा, अपमानजनक, घटिया विधेयक घृणित है। इसके लिए वोट देने वालों पर शर्म आती है: आप जानते हैं कि आपने गलत किया। आप यह जानते हैं।"

यह विधेयक प्रतिनिधि सभा में पार्टी में उनकी प्रभाव की परीक्षा होगा। पारित हो चुका है और सीनेट में इस पर चर्चा होनी है। यह विधेयक मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला को मिलने वाली सब्सिडी में कटौती करेगा। मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को धमकी भरे अंदाज में एक "पोस्ट" में लिखा, "आगले वर्ष नवंबर में हम उन सभी नेताओं को बर्खास्त कर देंगे जिन्होंने अमेरिकी जनता के साथ विश्वासघात किया है।"

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को 'राजनीतिक चरम' से नहीं देखा जा सकता : रीजीजू

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों से चर्चा शुरू कर दी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने में सभी राजनीतिक दलों को साथ लेने के सरकार के संकल्प को रेखांकित करते हुए कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को 'राजनीतिक चरम' से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि सभी दल न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए 'संयुक्त रूप से' प्रस्ताव लाएं। रीजीजू ने कहा कि वह छोटे दलों से संपर्क करेंगे, जबकि सभी प्रमुख दलों को न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है।



संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

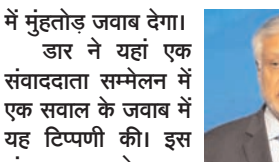
संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने इन तारीखों की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि इन सिफारिशों को राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। रीजीजू ने मानसून सत्र की घोषणा ऐसे समय में की है जब विपक्षी दलों के नेता ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने के लिए सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारे लिए हर सत्र विशेष सत्र है।"

भारत के साथ फिर संघर्ष शुरू होने की आशंका बहुत कम : इशाक डार

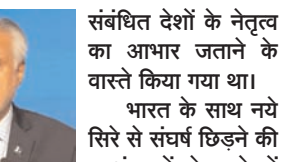
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को कहा कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच फिर से सैन्य संघर्ष शुरू होने की आशंका बहुत कम है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ऐसी किसी भी स्थिति (सैन्य संघर्ष)



में मुंहतोड़ जवाब देगा। डार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। इस संवाददाता सम्मेलन का आयोजन मीडिया को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान की हालिया यात्रा का विवरण देने तथा पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ संघर्ष में सहयोग देने के लिए



संबंधित देशों के नेतृत्व का आभार जताने के वास्ते किया गया था। भारत के साथ नये सिर से संघर्ष छिड़ने की आशंकाओं के बारे में पूछे जाने पर डार ने कहा कि वह भविष्य का अंदाजा तो नहीं लगा सकते, लेकिन ऐसी किसी भी स्थिति की संभावना बहुत कम है। मंत्री ने कहा, संघर्ष-विराम बरकरार है और दोनों पक्षों ने

सैनिकों की वापसी से जुड़े सभी कदमों पर अक्षरशः अमल किया है। लिहाजा, मेरी राय में (नये सिर से संघर्ष होने की) कोई आशंका नहीं है। उन्होंने हालांकि कहा, अगर भारत सैन्य संघर्ष का सहारा लेता है, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

डार ने कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए बेताब नहीं है।



A high-angle, aerial photograph capturing a massive crowd of people filling a wide urban street. The crowd is dense, with individuals packed closely together, many wearing orange or red clothing. Interspersed among the people are various vehicles, including cars, buses, and trucks, some of which appear to be stopped or moving slowly. The street is flanked by trees and buildings, and the overall scene suggests a large-scale public gathering, protest, or demonstration.

मैं सलाह (परामर्श) दी थी कि विद्यार्थ्यावामी स्ट्रेडियम में केवल वैध टिकट और पास-धारक लोग को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

पुलिस ने इस परामर्श में कहा था, 'चूंकि विद्यार्थ्यावामी स्ट्रेडियम के पास सीमित पार्किंग सुविधा उपलब्ध है, इसलिए कार्यक्रम में भाग लेने वालों को सार्वजनिक परिवहन और मेट्रो का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। जनता से सहयोग करने का अनुरोध किया जाता है।'





बीएसएफ के महानिरीक्षक ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमांत मुख्यालय जोधपुर के महानिरीक्षक एम.एल. गर्ग ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर जैसलमेर (उत्तर) सेक्टर का वार्षिक निरीक्षण किया। आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न सीमा चौकियों तथा तारबंदी से लगाती भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और वहां रात्रि विश्राम भी किया। महानिरीक्षक गर्ग ने सीमा पर

तैनात जवानों से संवाद कर उन का मनोबल बढ़ाया तथा तमाम दुर्गम व कठोर परिस्थितियों में भी सरहद पर डटे रहकर अपने कर्तव्य का पालन करने के लिये सभी सीमा प्रहरियों की हौसला आफजाई। इसमें कहा गया कि गर्ग ने जवानों को सतर्कता और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। महानिरीक्षक ने जवानों को इसी तरह सरहद पर मुस्तैद रहने के साथ-साथ वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर हर समय सजग व अवांछनीय गतिविधियों से कड़ाई से निपटने के निर्देश दिये ताकि सीमा सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो।

इस दौरान गर्ग ने तनोद माता मंदिर में दर्शन-पूजन किया यहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बीएसएफ जवानों की दृढ़ता, संकल्प और प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने बीएसएफ जवानों को साइबर जालसाजों द्वारा अपनाये जाने वाले विभिन्न तरीकों के बारे में अवगत कराया तथा साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए सजग किया। गर्ग ने अपने दौरे के दौरान जैसलमेर सेक्टर (उत्तर) की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारी तथा जवानों से भी चर्चा की। गर्ग बृहस्पतिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

प्रदेश भर में जल संचयन और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए आयोजित होंगी व्यापक गतिविधियां

जयपुर, । प्रदेश में भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन के प्रमुख उद्देश्यों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 5 से 20 जून तक प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया जायेगा। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के शुभ संयोग पर 5 जून से इस अभियान की शुरुआत होगी। इस अभियान में हमारी गौरवशाली संस्कृति में निहित पर्यावरण संरक्षण के पुनीत कार्यों का व्यापक रूप से आयोजन किया जाएगा और आमजन को पर्यावरण की महत्ता के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। जिससे यह अभियान जन आंदोलन बन सके। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अन्तर्गत शर्मा 5 जून को प्रातः जयपुर के रामगढ़ बांध पर मोरी के निकट गोपालगढ़ ग्राम में श्रमदान करेंगे तथा अमृतम जलम अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री बूंदी के गोहाटा पहुंचकर रामजल सेतु लैंक परियोजना (संशोधित तार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना) के अंतर्गत निर्मित होने वाले एकाडकट का निरीक्षण करेंगे। यहां से मुख्यमंत्री केशोरायपाटन (बूंदी) में चम्बल घाट कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे जहां वे पूजन (गंग लहरी), चुनरी महोत्सव तथा कलश यात्रा में शिरकत करेंगे। साथ ही, शर्मा केशोरायपाटन मंदिर में दर्शन एवं पूजन भी करेंगे।



वंदे गंगा : जल संरक्षण जन अभियान बनेगा जन आंदोलन : सुरेश सिंह रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि 'वंदे गंगा -जल संरक्षण जन अभियान' केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि राजस्थान में जन चेतना का प्रतीक बनने जा रहा है। यह अभियान वर्षा जल संग्रहण, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और जन सहभागिता को केन्द्र में रखते हुए एक जन आंदोलन का स्वरूप लेगा। उन्होंने कहा कि इसे सबका श्रम, सबकी सहभागिता की भावना से चलाया जाना चाहिए। रावत बुधवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में आयोजित संभाग स्तरीय बैठक की

अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में जोधपुर संभाग के आठों जिलों के जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं विभागीय प्रतिनिधि वीसी के जरिए मौजूद रहे। जल संसाधन मंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर स्थित पारंपरिक जल स्रोतों का विधिवत पूजन कर जनजागरण किया जाए।

राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नदी, नाले, तालाबों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें सामाजिक सहभागिता से गोद लेने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उनका नियमित संरक्षण और रख रखाव सुनिश्चित हो सके। रावत ने कहा कि यह अभियान औपचारिकता में न सिमटे, इसके लिए गांव-गांव में रथ यात्रा, कलश यात्रा, प्रभात फेरी,

नृक्रड नाटक, दीवार लेखन व हस्ताक्षर अभियान जैसी गतिविधियां अनिवार्य रूप से करवाई जाएं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ महिलाओं, युवाओं, छात्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, मीडिया एवं पुलिस की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

जल संसाधन मंत्री ने निर्देश दिए कि संभाग की सभी खालों की शत-प्रतिशत डिस्टिलिंग सुनियोजित तरीके से करवाई जाए। यह कार्य मनरेगा, ग्राम पंचायत एवं पटवारियों के सहयोग से किया जाए। साथ ही, बारिश में जलभराव वाले क्षेत्रों की पहले से पहचान कर समाधान की कार्ययोजना बनाई जाए। पारंपरिक तालाबों व जल संरचनाओं पर उनके ऐतिहासिक व

उपयोगी विवरण वाले सूचना बोर्ड लगाए जाएं, ताकि युवा पीढ़ी को जल संरक्षण की सांस्कृतिक विरासत का बोध हो सके और संरक्षणकर्ताओं एवं इतिहास से आमजन प्रेरित हो सके।

मीटिंग के दौरान तय किया गया कि पूरे जोधपुर संभाग में इस वर्ष 1 करोड़ 1 लाख पौधों लगाए जाएंगे। इसमें जोधपुर में 20 लाख, पाली में 20 लाख, जालौर में 14 लाख, बाड़मेर में 14 लाख, जैसलमेर में 11 लाख, सिरोंही में 11.5 लाख और फलोदी में 5.5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। रावत ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पौधे की लियो टैगिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी की जाए और छह माह में उसके जीवित रहने की रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो।



पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा आज भी प्रासंगिक : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रसिद्ध चिंतक व विचारक, भारतीय जनसंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त एकात्म मानवदर्शन के साठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति जयपुर, भूपाल नोबल्स संस्थान व राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानवदर्शन - हीरक जयंती समारोह का आगाज उदयपुर भूपाल नोबल्स विधि के समारोह में हुआ। हीरक जयन्ती समारोह के उद्घाटन और प्रथम सत्र में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पंडित जी के दृष्टिकोण में राष्ट्र भौगोलिक सीमाओं से परे एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इकाई के रूप में देखने की आवश्यकता है। देवनानी

ने कहा कि पंडित जी के लिए राष्ट्र निर्माण का आधार केवल सीमाएं नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, स्वदेशी दृष्टिकोण और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण में निहित है। वे राजनीति में संयम, त्याग और नैतिकता के प्रबल पक्षधर थे और अंत्योदय को स्वतंत्र भारत की आत्मा मानते थे।

देवनानी ने कहा कि वर्तमान में राजनीति के स्तर में भी गिरावट आई है इसके लिए समाज का बदलता स्वरूप जिम्मेदार है समाज का स्वरूप ही जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रतिबिम्बित होता है। स्वस्थ समाज और स्वस्थ सामाजिक परम्पराएं बहुऔर स्वस्थ वातावरण तैयार करने का कार्य कर सकती है। प्रथम तकनीकी सत्र में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता प्रो. महेश चंद्र शर्मा ने 'राजनीतिज्ञ पंडित दीनदयाल उपाध्याय' विषय पर विचार रखते हुए कहा कि पंडित जी राजनीति में

रहते हुए भी उससे अलिप्त भाव बनाए रखने के पक्षधर थे। वे विचारों की प्रतिस्पर्धा के बाद भी समभाव और सहयोग की संस्कृति में विश्वास रखते थे।

स्वागत उद्घोषण में विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने पं. उपाध्याय के विचारों की वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिकता और आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्र का निर्माण सीमाओं से नहीं, बल्कि संबंधों, संवेदना और समर्पण से होता है। हीरक जयन्ती समारोह कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए प्रो. मोहनलाल छीपा ने कहा कि पंडित जी की विचारधारा आज की चुनौतियों के समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। उन्होंने आह्वान किया कि दीनदयाल भाव केवल पुस्तक तक सीमित न रहकर प्रत्येक नागरिक के विचार और आचरण में समाहित हो।

प्रथम दिन हुआ इन विषयों पर मंथन पहले दिन राजनीतिज्ञ पंडित

दीनदयाल उपाध्याय, पत्रकार और साहित्यकार के रूप में पंडित जी विषय पर डॉ. एस. एस. उपाध्याय, डॉ. इन्दुशेखर तत्पुरुष, गोपाल शर्मा ने, संस्थान एग्रेस-सरकारी संगठनों में दीनदयाल दर्शन की भूमिका पर अतुल जैन, प्रो. मोहन लाल छीपा, दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. के. के. सिंह प्रो. मोहन सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी ने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को उदयपुर में उद्घाटनपत्र अरविन्द सिंघल की माता के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। देवनानी ने उदयपुर में सिंघल के निवास स्थल पर पहुंचकर उनकी माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजलि दी। देवनानी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

करंट लगने से तीन की मौत

जयपुर। अजमेर के केकड़ी इलाके में एक निर्माणाधीन मकान में करंट लगने से एक बुजुर्ग महिला, उसकी बेटी और दामाद समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना बुधवार सुबह प्रेमा देवी (60) के निर्माणाधीन मकान में हुई। पुलिस ने बताया कि प्रेमा देवी के साथ उनकी बेटी माया और दामाद कंवरपाल भी घर में मौजूद थे और काम में उनकी मदद कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि कंवरपाल पाइप से नई बनी दीवार पर पानी छिड़क रहा था, तभी पानी दीवार के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। प्रेमा देवी और माया वहां इंटें लगी रहीं थीं। जैसे ही कंवरपाल को करंट लगा, वह जमीन पर गिर पड़ा और दोनों महिलाएं भी उसके संपर्क में आने से करंट की चपेट में आ गईं। पुलिस ने बताया, तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि प्रेमा देवी की एक और बेटी इस घटना में झुलस गई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।



रिमझिम बारिश के बीच हुआ रन फॉर एनवायरमेंट का सफल आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) तथा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर होने वाले जनजागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में बुधवार को रिमझिम बारिश के बीच रन फॉर एनवायरमेंट का आयोजन हुआ। यह रैली अल्बर्ट हॉल से प्रारंभ होकर गांधी सर्किल से होते हुए पुनः अल्बर्ट हॉल पर समाप्त हुई।

रैली को राज्य सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय

शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान शर्मा ने उपस्थित जन को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने जल, वायु और भूमि को प्रदूषण से मुक्त बनाने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए भी शपथ दिलाई। उन्होंने राजकीय चिड़ियाघर में पौधारोपण किया और सभी से अधिकाधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जयपुर रनर्स क्लब, स्काउट एवं गाइड, एनसीसी, पुलिस, होमगार्ड, पर्यावरण विभाग, वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विभिन्न हितधारकों सहित लगभग 1200 लोगों ने भाग लिया। रैली के दौरान पुलिस, एम्बुलेंस, फायर

ब्रिगेड आदि मुस्तैद रहे। रैली के मार्ग में जगह-जगह पर ठण्डे पेय प्रदायीं आदि की व्यवस्था रही, जिसके लिए प्लास्टिक ग्लास के बजाय कुल्हड़ का उपयोग किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हेड ऑफ फोरस्टेड पोस्ट) अरिजीत बनर्जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन) एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक, समन्वय पवन कुमार उपाध्याय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक सुशिखा मेहरा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव शास्त्रा प्रताप सिंह सहित मंडल के सभी अधिकारीगण व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर करे काम : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि पर्यावरण की समस्या नैसर्गिक नहीं है और पर्यावरण को संरक्षण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। बागड़े बुधवार को यहां राजस्थान एनवायरनमेंट एंड एनर्जी कंजर्वेशन द्वारा आयोजित 'वर्ल्ड एनवायरमेंट डे समिट 2025' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिलकर प्रयास करें तो हम पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं। उन्होंने ऐसे पेड़ लगाने पर जोर दिया जो अधिक से अधिक छांव दें और भरपूर ऑक्सीजन दें। उन्होंने कहा कि बरसाद और पीपल दिनरात ऑक्सीजन देते हैं।

उन्होंने ऐसे पेड़ लगाए जाने की आवश्यकता जताई जिनसे भरपूर छांव रहे। इससे भूमि गर्म नहीं होगी। भूमि गर्म नहीं होगी तो हवा गर्म नहीं होगी। इसी से पर्यावरण शुद्ध रहेगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि



पेड़ लगेंगे तभी बारिश होगी। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि पानी रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

पानी रूकेगा तभी भूमिगत जल संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने जलयुक्त गांव बनाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि आकाश से पानी गिरे तो उसे बहने नहीं दे और उसे वहीं रोकें। इसी से जल को बचा पाएंगे। महाराष्ट्र में ऐसे प्रयास हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि कुलाधिपति के रूप में उन्होंने विश्वविद्यालयों में खाली स्थानों पर पेड़ लगाने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने कार्यालयों,

सार्वजनिक स्थानों पर रव प्रेरणा से पेड़ लगाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संख्या की बजाय पनपने वाले बड़े पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करें। इसी से पेड़ों का पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक उपयोग हों सकेगा।

नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबरमल खर्वा ने वृक्ष लगाने, जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए किशोर और युवा वर्ग को आगे आकर पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि भावी पीढ़ी में जागरूकता आ जाएगी तभी यह सार्थक हो सकेगा।

भाजपा कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में कर रही है राजनीति : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड मामले को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर यह मामला राजस्थान पुलिस के पास रहता तो संभवतः कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही सजा सुना दी जाती परन्तु लगता है कि भाजपा केवल इस मामले पर राजनीति कर रही है और पीड़ितों को न्याय दिलाने का उनका इरादा नहीं है।

गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भाजपा ने जमकर राजनीति की और इसे राजस्थान के चुनाव का मुख्य मुद्दा बना दिया था।

उन्होंने कहा कि घटना की रात को ही यह मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ले लिया। भाजपा की केन्द्र सरकार के अधीन आने वाली एजेंसी



एनआईए के पास यह मामला है परन्तु तीन साल केस चलने के बाद भी आज तक इस स्पष्ट प्रकृति के मामले में दोषियों को सजा नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल के परिजनों ने बताया है कि इस केस को फास्ट ट्रैक नहीं चलाया जा रहा है। यह केस एनआईए कोर्ट जयपुर में विचाराधीन है।

एनआईए कोर्ट का एडिशनल चार्ज केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कोर्ट के न्यायाधीश के पास था जिनका तबादला हो गया है जिससे केस की सुनवाई नहीं हो पा रही। गत छह महीने से केस में कोई तारीख नहीं पड़ी है। इससे पहले गवाहों के बयान ही चल रहे थे परन्तु तीन मुख्य गवाहों के बयान अभी तक दर्ज नहीं किए गए। इस केस में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से अभी तक दो की जमानत हो चुकी है।

गहलोत ने कहा कि इस महीने कन्हैयालाल हत्याकांड को तीन वर्ष पूरे हो जाएंगे। राजस्थान पुलिस ने अपराधियों को मात्र चार घंटे में गिरफ्तार कर लिया था। कन्हैयालाल के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा एवं उनके दोनों पुत्रों को सरकारी नौकरी दी गई लेकिन भाजपा ने जनता में अफवाह फैलाई कि केवल पांच लाख रुपये मुआवजा दिया और पांच लाख, पचास लाख की राजनीति की।

यदि एनआईए यह केस नहीं लेती एवं राजस्थान पुलिस के पास यह केस रहता तो संभवतः हमारी सरकार के कार्यकाल में ही दोषियों को सजा सुना दी जाती परन्तु लगता है कि भाजपा केवल इस केस पर राजनीति कर रही है। पीड़ितों को न्याय दिलाने का उनका इरादा नहीं लगता है।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा

कल रामेश्वरम को रवाना होगी पहली एसी तीर्थ यात्री ट्रेन

जयपुर। राजस्थान में देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत पहली वातानुकूलित (एसी) तीर्थ यात्री ट्रेन शुक्रवार को राजधानी जयपुर से रवाना होगी जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। शर्मा राज्य की पहली एसी तीर्थ यात्री ट्रेन को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस मौके देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत भी मौजूद रहेंगे। इस ट्रेन में छह जिलों के 776 यात्री रामेश्वरम जायेंगे जो 12 जून की देर रात तक वापस लौटेंगे।

कुमावत ने बताया कि पहली बार एसी ट्रेन से जा रहे हैं यात्री बजट वर्ष-2024-25 की घोषणा के शेष रहे 7200 में से 776 यात्रियों को रामेश्वरम भेजा जा रहा है। उन्हें बजट वर्ष-2025-26 की घोषणा के तहत एसी ट्रेन की सुविधा मिलेगी। यात्रा में पूरी तरह सुगमता का ध्यान रखा जाएगा। इस एसी ट्रेन की सजावट भी राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा देने के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि इस बार के 50 हजार यात्रियों के लिए आवेदन की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू की जा रही है।



सुविचार

कृष्ण ने राधा से प्रेम नहीं मांगा,
उन्हें राधा की मुस्कान ही जीवन
भर का साथ लगती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फसलों पर ग्रहण की ‘चीनी चाल’

अमेरिका में दो चीनी नागरिकों का रोगाणु की तस्करी में लिप्त पाया जाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि दुनिया में अस्थिरता फैलाने के लिए चीन खतरनाक प्रयोग कर रहा है। यूएनकेग जियान और जुनयोंग लियू नामक इन चीनी नागरिकों ने अमेरिका में ‘फ्यूजेरियम ग्रैमिनीरम’ नामक रोगाणु कवक की तस्करी की थी, जो फसलों को चौपट कर सकता है। इससे अमेरिका को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ सकता था और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता था। अमेरिका में इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। क्या चीन ने अन्य देशों में खेती-बाड़ी को निशाना बनाने के लिए ऐसे प्रयोग नहीं किए होंगे? कोरोना वायरस के प्रसार के बाद चीन ने पूरे मामले पर लीपापोती करने की कोशिश की थी। कई विशेषज्ञ तो इस बात को लेकर आशंका जताते हैं कि कोविड-19 के तौर पर चीन एक घातक जैविक हथियार बनाने पर काम कर रहा था, लेकिन किसी दुर्घटना या असावधानी के कारण वह प्रयोगशाला से बाहर आ गया था। जब चीनी सरकार को पता चला कि कोरोना वायरस फैल रहा है, तो उसने सद्भावना के तहत दुनिया को सचेत करने के बजाय अपने नागरिकों को विभिन्न देशों में भेजा था। इससे वायरस ने बड़ी महामारी का रूप ले लिया था। क्या चीन एक बार फिर कुछ वैसा ही करने की सोच रहा है? अमेरिका में चीनी नागरिकों ने ‘फ्यूजेरियम ग्रैमिनीरम’ नामक जिस रोगाणु कवक की तस्करी की, उसे वैज्ञानिकों ने कृषि आतंकवाद का हथियार बताया है। अगर उसका यह मंसूबा कामयाब हो जाता तो उसे एक भी गोली नहीं चलायी पड़ती और अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हो जाता।

साल 2020 में जब कई देशों में कोरोना वायरस का प्रसार हो गया था, तब ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें चीनी नागरिक फलों, सब्जियों और खानपान से जुड़ी चीजों पर थूकते नजर आए थे। दावा किया गया था कि वह सामग्री विदेशों को निर्यात की गई थी। उन वीडियो से ऐसे कयासों को बल मिला था कि चीनी नागरिक जानबूझकर ऐसी कोशिशें कर रहे थे, ताकि विदेशों में भी लोग संक्रमित हो जाएं। उस दौरान विदेशों में कई लोगों ने अज्ञात शख्स द्वारा उनके पतों पर चीनी भाषा में किताबें, पत्र आदि मिलने का दावा किया था, जिन्हें खोलने के बाद वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे! इन्सानों और पेड़-पौधों को संक्रमित कर नुकसान पहुंचाने के हथकंडे नए नहीं हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने ऐसी कोशिश की थी। उसने ब्रिटेन में आलू की फसल नष्ट करने के लिए खेतों में कोलोराडो बीटल नामक कीड़े छोड़ दिए थे। उनके लिए विमानों का इंतजाम किया गया था। हालांकि जर्मनी को ज्यादा कामयाबी नहीं मिली थी। अगर बड़ी तादाद में कीड़े छोड़े जाते तो ब्रिटेन में खानपान का संकट विकराल रूप ले सकता था। उन कोशिशों में जापान भी शामिल बताया जाता है, जो विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ की ताकत तोड़ने के लिए उनके खेतों में गेहूं की फसल नष्ट करना चाहता था। हालांकि अमेरिका सावधान था। उसने पहले ही ऐसे रोगाणुओं का जखीरा इकट्ठा कर रखा था, जो जापान में चावल की फसल को नष्ट कर सकते थे। अगर आज चीन ऐसे प्रयोग कर रहा है तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह देश जासूसी से लेकर रोगाणुओं से संबंधित खतरनाक प्रयोग तक बहुत गुपचुप तरीके से काम करता है। उसे कोरोना महामारी के लिए जवाबदेह ठहराने के साथ ही उसकी महत्त्वपूर्ण प्रयोगशालाओं को अंतरराष्ट्रीय संगठनों की निगरानी में लाना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि चीन की वजह से दुनिया दोबारा बड़े संकट का सामना करे।

ट्वीटर टॉक



उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने निर्माण भवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मानसून पूर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मानसून में अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

—दीया कुमारी

मेरासिया में जयंती समारोह पूर्व मां नागणेच्या के मन्दिर में ज्योत दर्शन का सौभाग्य पाया। यह भक्ति और शक्ति की अद्भुत धरा है, जिस पर मां नागणेच्या की कृपा है। देवी मां की कृपा से आच्छादित इस भूमि की महानता वीरवर राव चांदा जी मेड़ातिया के पुरुषार्थ से भी जानी जाती है।

—गजेन्द्र सिंह शेखावत



सभी प्रदेशवासियों से अपील है कि वे जन सहभागिता के इस अभियान से जुड़ें। अपने गांव-शहर के तालाबों, नदियों और अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई के लिए श्रमदान करें और इन्हें स्वच्छ एवं संरक्षित बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

—भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

क्रोध का प्रायश्चित

एक बार बुद्धदेव अपने शिष्यों सहित सभा में विराजमान थे। शिष्यगण उन्हें काफी देर से मौन देखकर चिंतित थे कि कहीं वे अस्वस्थ तो नहीं हैं। एक शिष्य ने अधीर होकर पूछा, ‘आप आज इस प्रकार मौन क्यों हैं? क्या हमसे कोई अपराध हुआ है?’ फिर भी वे मौन ही रहे। तभी बाहर खड़ा एक व्यक्ति जोर से बोला आज मुझे सभा में बैठने की अनुमति क्यों नहीं दी गई? वह क्रोध से उद्भिन्न था। एक उदार शिष्य ने उसका पक्ष लेते हुए बुद्धदेव से कहा, ‘भगवान! उसे सभा में आने की अनुमति प्रदान करें। बुद्धदेव अपना मौन तोड़ते हुए बोले, ‘नहीं! वह अस्पृश्य है, उसे आज्ञा नहीं दी जा सकती। शिष्यगण आश्चर्य में डूब गए। तब कई शिष्य बोल उठे कि वह अस्पृश्य क्यों? हमारे धर्म में जातपात का कोई भेद नहीं, फिर वह अस्पृश्य कैसे है? बुद्धदेव बोले वह आज क्रोधित होकर आया है। क्रोध से जीवन की पवित्रता भंग होती है। क्रोधी व्यक्ति मानसिक हिंसा करता है इसलिए किसी भी कारण से क्रोध करने वाला अस्पृश्य होता है। उसे कुछ समय तक पृथक नकत में खड़ा रहकर प्रायश्चित करना चाहिए ताकि उसकी अस्पृश्यता दूर हो जाये। शिष्यगण समझ गए कि अस्पृश्यता क्या है और अस्पृश्य कौन है। उस व्यक्ति को भी पश्चाताप हुआ।

बेंगलूरु | गुरुवार | 05-06-2025



www.dakshinbarhat.com



/dakshinbarhat



/dakshinbarhat

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

सामयिक

राम मंदिर के स्वर्ण शिखर की आभा से आलोकित हुआ राष्ट्र

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 9451005200

अयोध्या में राम मंदिर संपूर्ण विश्व में रचने-बसने वाले सनातनियों की शताब्दियों की प्रतीक्षा, संयम, धैर्य, अनुशासन और आस्था का प्रतीक है। यह राम नहीं, राष्ट्र मंदिर है। विरोधी भले ही सनातन और राम मंदिर का विरोध करते रहें लेकिन करोड़ों सनातनियों के हृदय में उनके आराध्य भगवान श्रीराम रचते-बसते हैं। भगवान राम के मंदिर को वह अपना पूजा स्थल ही नहीं, बल्कि उसे अपना सबसे बड़ा तीर्थ मानते हैं। मुख्य मंदिर यानी अपनी जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर के भूतल में कोटि-कोटि भक्तों के आराध्य रामलला तो पहले से ही प्रतिष्ठित हैं, अब आगामी पांच जून को इसी मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी 6 मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इनमें गणेश, भगवान शिव, देवी भगवती, हनुमान जी, भगवान सूर्य, देवी अन्नपूर्णा और शेष अवतार के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह आयोजन अयोध्या के धार्मिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने का रहा है। त्रिवितीय प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 5 जून को गंगा दशहरा के पावन पर्व के दिन पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। श्रीराम दरबार प्रतिष्ठित होने के साथ रामलाल से राजाराम तक की यात्रा पूर्ण होगी। इसी बीच राम जन्मभूमि मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का कार्य हो रहा है। यह कार्य मंदिर की भव्यता में चार चांद लगाएगा।

राम राष्ट्र की संस्कृति है, राम राष्ट्र के प्राण है, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से प्राप्त हुआ है, जिसका 550 सालों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का स्मरणीय इतिहास शामिल है। अन्तर्निगत आन्दोलनों के बाद अंततः 22 जनवरी 2024 के दिन हिन्दू समाज को अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को जन्म भूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में पुनर्स्थापित करने का गौरव प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान बनकर मंदिर में श्री



रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। यह दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिन के तौर पर अंकित है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरक्षपीठ की 3 पीढ़ियों का योगदान स्वर्णक्षरों में अंकित है। वर्तमान में सूची के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस गोरखनाथ मठ के महंत हैं, उसी से अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की शुरुआत हुई थी। योगी जी के गुरु महंत अवेधनाथ 12 सितंबर 2014 को ब्रह्मलीन हुए।

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेधनाथ के पास मंदिर आंदोलन के दौरान दो सबसे अधिक अहम पदों राम जन्म भूमि यज्ञ समिति और राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष था। ये दायित्व इस बात का प्रमाण है कि आजादी के आंदोलन के बाद देश की राजनीति की दशा और दिशा बदलने वाले राम मंदिर आंदोलन में उनका क्या कद था? महंत अवेधनाथ के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ थे। योगी आदित्यनाथ भी इस आंदोलन को मुखरता प्रदान करते रहे हैं। वो कहते रहे हैं कि राम मंदिर बुनारी मुद्दा नहीं...मेरे लिए जीवन का मिशन है। 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मंदिर परिसर में उपस्थित रहेंगे। विशेष बात यह है कि 5 जून को मुख्यमंत्री का जन्मदिन भी है।

हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के

अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता। लेकिन आजादी से लेकर आजतक कांग्रेस ने राम के नाम पर धिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। वर्ष 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुष्टता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। वर्तमान में, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करने से बाज नहीं आते।

रच. अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि, राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मान्यने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने रूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य

है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबन्दार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, शताब्दियों का संघर्ष अब अयोध्या में प्रत्यक्ष साकार रूप में फलीभूत होता दर्शित हो रहा है। भारत के कय-कय में राम हैं। राम मंदिर में राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी 6 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की सुप्त आत्मा को जागृत करने का काम करेगी। राम मंदिर के निर्माण से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होने वाला है। भारत की जय जयकार दुनिया में हो रही है। यह वास्तव में भारत की सुप्त आत्मा है। यही भारत को दुनिया के अंदर सर्वशक्तिशाली बनायेगी। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में जो रामभक्ति है वहीं राष्ट्रभक्ति है। राजनीति तोड़ने का कार्य करती है, धर्म जोड़ता है। राम मंदिर ने देश को जोड़ दिया है। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिन्दूर में हमारे सैनिकों ने जिस पराक्रम का प्रदर्शन किया है उससे न केवल शत्रु बल्कि पूरी दुनिया अचम्भित है। ये बढ़ते हुए सशक्त भारत की एक झलक मात्र है।

राष्ट्रीय अस्मिता और अखण्डता भी अयोध्या से जुड़ी है। श्रीराम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं है, इसके साथ भावी सामाजिक संरचना की संकल्पना भी जुड़ी है। व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र निर्माण, कालसापेक्ष किन्तु कालातीत दर्शन और दृष्टि का सृजन बीज राम मंदिर निर्माण और उसकी भव्यता में निहित है। राम मंदिर का दूसरा पहलू राष्ट्र मंदिर के रूप में स्थापित है और इस भावना के अनुरूप यह परिसर आस्था के साथ राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय एकता और समाज निर्माण के प्रति भी मजबूती भूमिका का निर्वहन करने को तैयार है। विश्वभर में रचने और बसने वाले हिन्दू धर्मावलम्बी राम मंदिर की दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि 5 जून की तिथि विश्व इतिहास में सदा के लिए अमर रहेगी। श्रीराम मंदिर के शिखर की स्वर्णिम आभा से सम्पूर्ण विश्व में सुख, समृद्धि, शांति, सद्भावना और सहिष्णुता का प्रकाश फैले और भारत फिर एक बार विश्व गुरु के तौर पर स्थापित हो, यही कामना है।

नजरिया

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर मचा सियासी तूफान!

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

हाल ही में पुणे की एक 22 वर्षीय लॉ स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी ने भारत में अभिव्यक्ति स्वतंत्रता और धार्मिक संवेदनशीलता के बीच की बहस को फिर से पैदा कर दिया है। शर्मिष्ठा को कोलकाता पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित एक वीडियो में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। हालांकि, मामले को बढता देख शर्मिष्ठा ने अपने ही बिना शर्त के माफी मांग ली थी, लेकिन कई राजनेता शर्मिष्ठा की आलोचना करते हुए गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। दरअसल, शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में उन अभिनेताओं की आलोचना की थी। जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह कथित तौर पर एक यूजर को जवाब दे रही थीं, जिसने पूछा था कि भारत ने बिना किसी कारण के पाकिस्तान पर गोलीबारी क्यों की। शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में कथित तौर पर अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया था। वहीं, 14 मई को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इस्तेफाजुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने एक्स पर पनोली के वीडियो को शेयर करते हुए दावा किया कि शर्मिष्ठा ने इस्लाम का अपमान किया है और उनकी टिप्पणी सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देती है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को टैग किया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। इसी के बाद मामले ने तूल पकड़ा और सोशल मीडिया पर उनकी गिरफ्तारी की मांग बढ़ने लगी। शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल की कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम की इंस्टाग्राम इन्फ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली केस में बड़ा ट्रिस्ट सामने लाया है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायत दर्ज करने वाले वजाहत खान के खिलाफ भी कार्रवाई की है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी में शिकायतकर्ता वजाहत खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद पहले वजाहत खान के लापता होने की जानकारी सामने आई थी। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद वजाहत रशीद पर हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के आरोप लगे थे। असम पुलिस ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए टीम भेजी थी। वजाहत खान के खिलाफ असम में एक केस दर्ज किया गया है। इससे पहले असम सरकार ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए बंगाल सरकार से मदद मांगी थी। आपको बता दें कौन हैं वजाहत खान? वजाहत रशीद कोलकाता स्थित ‘श्रीदीक्षा अखेडेशन’ के वह-संस्थापक हैं। वजाहत ने 22 साल की शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ही कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से पनोली को अरेस्ट किया था। इसके बाद वजाहत ने सोशल मीडिया पर गिरफ्तारी का जश्न भी मनाया था। इसके बाद उसकी पिछली हिस्ट्री भी सामने आ गई थी। जिनमें उन्होंने हिंदू धर्म, भगवान कृष्ण, कामाख्या देवी मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों और हिंदू त्योहारों को लेकर



आपत्तिजनक बातें लिखी थीं। इन्में से कुछ पोस्ट उन्होंने बाद में डिलीट भी की थीं। इसके बाद असम में मामला दर्ज हुआ था। इसके साथ ही अमिता सचदेवा ने भी दिल्ली के साकेत साइबर थाते में वजाहत रशीद के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। अब कोलकाता पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज की ली है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने वजाहत खान के खिलाफ दर्ज केस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देवी मां कामाख्या के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा की गई अस्वीकार्य टिप्पणियों के संदर्भ में असम पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है और हम उस व्यक्ति को कानून का सामना करने के लिए असम लाने में पश्चिम बंगाल सरकार से सहयोग मांगेंगे। समाचार पत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार शर्मिष्ठा पनोली स्वयं भी कानून की जानकारी है वह पुणे लॉ यूनिवर्सिटी में कानून की छात्रा हैं। जब शुक्रवार को गुरुग्राम में उनके घर की घंटी बजी, सामने कोलकाता पुलिस थी। पुलिस ने कहा, आपको गिरफ्तार किया जा रहा है। आखिर शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि पुलिस को 1500 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी? शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि वह पूरे देश की राजनीति का केंद्र बन गई हैं? उनकी गिरफ्तारी के बाद ममता सरकार ने पहले जानेतें हैं शर्मिष्ठा के विवाद और उनकी गिरफ्तारी की कहानी।

दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने प्रतिक्रिया करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ चलाया था। इस ऑपरेशन पर देश-विदेश के लोगों ने प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान पुणे लॉ कॉलेज की एक स्टूडेंट, जो उपररती हुई सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर हैं, ने कुछ ऐसा कहा कि सोशल मीडिया, खासकर एक्स पर उनके खिलाफ हैशटैग बायकांट होने लगा। सोशल मीडिया पर –शीशीश्चरीकीीहैं ट्रेंड करने लगा।

शर्मिष्ठा ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान

पाकिस्तान के खिलाफ हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि भारत अब सिर्फ गांधी का फैन नहीं है। अगर तुम आंध दिखाओगे तो तुम्हारे घर में घुसकर मारेंगे। दरअसल, वह अपने पूरे वीडियो में पाकिस्तान और पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ बोल रही थीं। हालांकि, उन्होंने अपने डिलीट किए गए वीडियो में ख़ास समुदाय (पाकिस्तान के) के खिलाफ भी बोला था। उनका कहना था कि अगर किसी निर्दोष की हत्या कर ज़न्नत जाने की नियत रखते हो, तो यह तुम्हारी गलतफहमी है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने जो शब्द प्रयोग किए थे वे किसी भी प्रकार से उचित नहीं थे।

विवाद बढ़ने के बाद शर्मिष्ठा ने मैन्योरिटी दिखाते हुए पहले वीडियो डिलीट किया था, फिर वीडियो पोस्ट जारी करते हुए माफी मांगी। फिर भी ममता बनर्जी को ममता' क्यों नहीं दिखा रही हैं? आखिर ममता सरकार एक लड़की को अरेस्ट कर सजा दिलाने की जिद पर क्यों अड़ी हैं? कहीं ममता सरकार अगले साल की विधानसभा चुनाव की तैयारी में तो नहीं हैं? किसी ख़ास समुदाय को खुश करने के लिए ममता सरकार कहीं अति कदम तो नहीं उठा रही हैं? पश्चिम बंगाल में एक ख़ास समुदाय ममता का कोर वोटर है। एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को गिरफ्तार कर, ममता अपनी वफादारी का सबूत देने की फ़िराक में तो नहीं हैं?

दरअसल, शर्मिष्ठा के इंस्टाग्राम वीडियो पर ऐतराज जताते हुए किसी ने पुलिस केस दर्ज करवाया। मगर, उनके घर कानूनी नोटिस जाने से पहले ही वह परिवार संग कोलकाता छोड़ चुकी थीं। गिरफ्तारी को लीड कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके वीडियो के संबंध में केस दर्ज था। इसमें एक ख़ास समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई थी। इसलिए उनकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसी दिन अलीपुर के सीजेएम कोर्ट में पेश कर पुलिस हिरासत की मांग की थी।

गिरफ्तारी के बाद शर्मिष्ठा को 31 मई 2025 को अलीपुर सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस हिरासत की मांग की गई थी, मगर कोर्ट ने उनकी मांगों को खारिज करते हुए शर्मिष्ठा को 13 जून 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगर इसे उनकी कानूनी जीत कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। शर्मिष्ठा

के वकील मोहम्मद शमीमुद्दीन ने उनका बचाव किया है। अब, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि शर्मिष्ठा ने इंस्टाग्राम से विवादित वीडियो हटा लिया और एक्स पर माफी मांगी, फिर भी उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। कोर्ट ने उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की। कुछ एक्स पोस्ट के अनुसार, शर्मिष्ठा ने कोर्ट में उत्पीड़न का आरोप लगाया और कहा, यह लोकतंत्र नहीं, मजबूत है। उन्होंने खुद को घायल शेरनी बताया तक बताया।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी ने पश्चिम बंगाल में सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्षी नेताओं ने सीएम ममता बनर्जी सरकार पर चुनिंदा कार्रवाई और तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया।समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के लिए सख्त कानून की मांग की। उन्होंने कहा, ‘ऐसे लोगों के खिलाफ क़म से कम 10 साल की सज़ा वाला कानून बनना चाहिए। बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने शर्मिष्ठा के समर्थन में इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ‘मैं माफी हूँ कि शर्मिष्ठा ने कुछ अग्रिय शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन आजकल ज्यादातर युवा ऐसे शब्दों का उपयोग करते हैं। उन्होंने अपने बयानों के लिए माफी मांगी और यह काफी होना चाहिए। उन्हें और परेशान करने की जरूरत नहीं है। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।’

बीजेपी नेता सुषुंद अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमपी) पर हिंदू आवाजों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ‘महुआ मोइत्रा के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने देवी काली के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। क्या कोई कार्रवाई हुई? टीएमपी सांसद सायोनी घोष ने महादेव के बारे में क्या पोस्ट किया? क्या कोई कार्रवाई हुई? सिर्फ सनातनियों के खिलाफ कार्रवाई होती है। ये तुष्टिकरण की राजनीति है।’बीजेपी आइटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी ममता बनर्जी पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ‘ये केवल बंगाल की बात नहीं है- यह इस बारे में है कि एक युवा हिंदू महिला को वोट बैंक को खुश करने के लिए निशाना बनाया जा रहा है।’

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि शर्मिष्ठा ने अपनी गलती स्वीकारी और माफी मांग ली। उन्होंने टीएमपी पर सनातन धर्म का मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए कहा, ‘जब हमारी आस्था को कुछ कहा जाता है, तब आक्रोश क्यों था? उन्होंने माफी क्यों नहीं मांगी? उनको तुरंत क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया?’ कांग्रेस सांसद कार्लि चिंदबरम ने एक्स पर कहा, ‘सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अंतरराष्ट्रीय गोपनीयता' (जब तक यह स्पष्ट रूप से सिद्ध न हो कि इससे कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई है) पुलिस शक्तियों का स्पष्ट दुरुपयोग है।’ यही नहीं शर्मिष्ठा को विदेश से भी समर्थन मिल रहा है। नीदरलैंड के सांसद गीट वाइल्डर्स से भी समर्थन मिला है, उन्होंने कहा कि उनकी (शर्मिष्ठा) की गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता के लिए अपमान है। दक्षिणपंथी फॉर फ्रीडम के नेता ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की है कि वह शर्मिष्ठा की रिहाई सुनिश्चित करें।

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasadur Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekanth Parashar,** ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn.No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वरीकृत, टैंडर एवं सजायटी इत्यादि) पर कोई भी कार्रवाई, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त करें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पत्ताओं की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरादाई नहीं बना सकता। — दक्षिण भारत राष्ट्रमत



आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार संबंधित कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा तेरापथ टास्क फ़ोर्स फिजिकल मिशन एम्पावरमेंट के अंतर्गत आपातकालीन परिस्थिति में प्राथमिक उपचार की कार्यशाला का आयोजन मंगलवार

को किया गया। अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा ने अभातेयुप से आए हुए प्रशिक्षक राकेश दक, राकेश पोखरणा एवं कर्मचारियों का स्वागत किया।

प्रशिक्षक राकेश दक ने विभिन्न आपात परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार के बारे में बताया जिसके अंतर्गत आग से जलने पर, रक्तस्राव की परिस्थिति में एवं श्वास चोकिंग

की अवस्था में हॉस्पिटल पहुंचने से सुनहरे घंटों में कार्य करें इसका प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर तैयुप के उपाध्यक्ष विकास बोटिया, सहमंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, किशोर मंडल से संयोजक हर्ष मांडोट, हेमंत पटवारी आदि उपस्थित थे। अतिथियों का सम्मान किया गया।

कर्म और धर्म मनुष्य जीवन रूपी नदी के दो किनारे हैं : मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कॉक्स टाऊन क्षेत्र में सरदारमल सुराणा के निवास स्थान पर बुधवार को मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं सहवर्ती आदित्य कुमारजी का पर्दापण हुआ। इस मौके पर तेरापथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में कर्म हंसाए - कर्म रुलाए' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि जैन धर्म का प्रमुख सिद्धांत है कर्मवाद। कर्म कर्ता का अनुगमन करता है। कर्म दो तरह के होते हैं शुभ और अशुभ। अशुभ कर्म का फल किसी को पसंद नहीं है। धर्म का मर्म समझने वाला अशुभ कर्मों से बचने का प्रयास करता है। कर्म शुभ



होते हैं तो चेहरे पर मुस्कुराहट छा जाती है। कर्म और धर्म मनुष्य जीवन रूपी नदी के दो किनारे हैं। धार्मिक व्यक्ति अशुभ कर्मों के बंधन से बचने का प्रयास करें, इसके

लिए प्रभु स्मरण करते रहें। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने कर्म विषय पर अपना प्रेरणादायी वक्तव्य दिया।

तेरापथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष

पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया।

सरदारमल सुराणा ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उपस्थित सभी जनों को 6 जुलाई को मुनिश्री के वातुमासिक प्रवेश पर आमंत्रित किया। सुनन बाई सुराणा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मूर्तिपूजक जैन संघ के प्रमुख इन्दरचंद बोहरा ने मुनिश्री को हिराबाग में पधारने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में गौतम संवेती, कॉक्स टाऊन जैन समाज से अनेक प्रमुखजनों सहित इन्दिरानगर, जीवनहली, शांतिनगर, टेनरी रोड, सिंधी कॉलोनी, सेवानगर, कटोनमेंट, गांधीनगर आदि क्षेत्रों से भी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नवनीत मुधा ने किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



महाराजा नलवाड़ी कृष्ण राजेंद्र वाडेयार के 141 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के विभिन्न कन्नड़ संगठनों द्वारा केआर मार्केट में गुणानुवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत, हंसराज मुणोत ने नलवाड़ी कृष्ण राजेंद्र वाडेयार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए महाराजा के योगदान को याद किया व उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम में सहयोग दिया। संगठन के पदाधिकारी शिवकुमार ने मुणोत बंधुओं को सम्मानित किया।

कमल हासन का व्यवहार अहंकार एवं अवज्ञा की पराकाष्ठा : रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने तमिल सिने अभिनेता कमल हासन द्वारा उच्च न्यायालय के निर्देश के बावजूद माफ़ी मांगने से इनकार करने को अहंकार की परकाष्ठा बताया है। बुधवार को यहां जारी एक बयान में, रवि कुमार ने कहा कि कमल हासन द्वारा कर्नाटक उच्च न्यायालय की जानबूझकर अवज्ञा घोर निंदनीय है।

रवि कुमार ने कहा, कमल हासन भले ही एक अच्छे अभिनेता



हैं, लेकिन वे एक घटिया राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। इससे पहले भी वह कई विवादों में फंस चुके हैं। रवि कुमार ने कहा, कमल

हासन न तो भाषा विशेषज्ञ हैं और न ही इतिहासकार, जो भाषाओं की उत्पत्ति और इतिहास पर टिप्पणी कर सकें। रवि कुमार ने कहा, कमल हासन को खुद को केवल वही करने देना चाहिए जिसमें वह अच्छे हैं, वह एक परिपक्व अभिनेता हैं लेकिन इससे उन्हें यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वह हर विषय पर विवादास्पद बयान देकर सामाजिक सीढ़ाई को बिगाड़ने का काम करें। उन्हें उन मामलों में अपनी नाक नहीं घुसाना चाहिए, जिनमें उनकी कोई विशेषज्ञता नहीं है। उन्होंने कहा कि वह उच्च न्यायालय की टिप्पणियों पर ध्यान दें और बिना शर्त और निरवधार्य माफ़ी मांगें।

मंत्री परमेश्वर ने पुलिस पर भाजपा के आरोपों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने दक्षिण कन्नड़ में हिंदू समर्थक संगठनों से जुड़े सदस्यों को पुलिस द्वारा निशाना बनाए जाने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि किसी को भी निशाना नहीं बनाया जा रहा है और कानून का उल्लंघन करने वालों को छोड़कर आम लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने किसी भी राजनीतिक हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि पुलिस स्थिति के आधार पर तथा निधारित नियमों के अनुसार स्थानीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करती है।

भाजपा ने पुलिस द्वारा रात के समय कुछ नेताओं की पहचान कर



उन्हें बाहर निकालने तथा हिंदू संगठनों के लिए काम करने वाले लोगों के घरों पर जाने के कथित कदम पर आपत्ति जताई है। राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, “मैं दक्षिण कन्नड़ के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो लोग कानून और आम जनता के खिलाफ काम कर रहे हैं, उन्हें ही चिंता करनी चाहिए। हम ऐसा कुछ नहीं होने देंगे जिससे आम लोगों को

परेशानी हो।” उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, “पुलिस के पास उस क्षेत्र में सांप्रदायिक गतिविधियों में शामिल लोगों के बारे में जानकारी हो सकती है।

इसलिए उन्होंने रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने का निर्णय लिया है तथा लोगों में विश्वास पैदा करने और सांप्रदायिक गतिविधियों में शामिल तत्वों की पुष्टि करने के लिए वे (पुलिसकर्मी) घर-घर जा रहे हैं।” उन्होंने कहा, “आम लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें कोई परेशानी न हो। किसी को बेवजह निशाना नहीं बनाया जाएगा। अगर आप कानून के दायरे में रहकर काम कर रहे हैं तो आपको चिंता करने की क्या जरूरत है। कानून का उल्लंघन करने वालों को चिंतित होना चाहिए।”

विधान सौधा में आईपीएल चैम्पियन आरसीबी का स्वागत किया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को 18 साल में पहला आईपीएल खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु टीम को सम्मानित किया। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रजत पाटीदार की

कप्तानी वाली टीम का विधान सौधा के सामने बनी भव्य सीढ़ियों पर स्वागत किया। एक छोटे से कार्यक्रम में खिलाड़ियों को मैसूरु फेता (पारंपरिक पगड़ी), शॉल और पुष्पमाला पहनाई गई। इस कार्यक्रम को देखने के लिये बड़ी तादाद में प्रशंसक मजा थे।

कर्नाटक सरकार को सुरक्षा प्रोटोकॉल की तत्काल समीक्षा करनी चाहिए : भगदड़ की घटना पर खरगे ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आईपीएल में 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाए जाने के दौरान आयोजन स्थल पर मची भगदड़ में कई लोगों की मौत पर मची भगदड़ को दुख जताया और कहा कि राज्य सरकार को आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए तथा उन्हें मजबूत करना चाहिए। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है।

आरसीबी की जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बुधवार को यहां विश्वासवासी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों के जुटने के उपरांत मची भगदड़ में कम से कम

चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने दावा किया कि भगदड़ से 11 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, “रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की आईपीएल, 2025 की जीत के जश्न के दौरान बेंगलूरु में हुई दुखद भगदड़ से मैं बहुत दुखी हूँ। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बहुमूल्य जिंदगियों की क्षति हुई है और कई लोगों को चोटें आई हैं जो अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।” उन्होंने कहा कि कांग्रेस बेंगलूरु के लोगों के साथ खड़ी है और कर्नाटक सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को राहत, थिकिसा सहायता और सहायता प्रदान किए जाने के सभी प्रयासों में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर कोरिया से बातचीत फिर शुरू करेंगे, अमेरिका-जापान साझेदारी मजबूत करेंगे

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया के नये राष्ट्रपति ली जे-योंग ने उत्तर कोरिया के साथ याता फिर शुरू करने और अमेरिका तथा जापान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने का बुधवार को संकल्प लिया। इससे साथ ही उन्होंने अपने पांच साल के कार्यकाल के लिए प्रमुख नीतिगत लक्ष्य भी निर्धारित किए। ली ने बुधवार को राष्ट्रपति पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभालने के बाद असमानता और भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया। वह मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रपति चुने गए। तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक येंओल को पिछले साल 'मार्शल लॉ' लागू करने के बाद इस साल अप्रैल में बर्खास्त कर दिया गया था, जिस वजह से मध्यावधि चुनाव हुए। 'नेशनल असेंबली' में अपने पहले भाषण में ली ने कहा कि उनकी सरकार दक्षिण कोरिया-अमेरिका सैन्य गठबंधन के आधार पर उत्तर कोरिया के संभावित आक्रमणों का मजबूती से प्रतिरोध करेगी। उन्होंने कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ एक संचार माध्यम स्थापित करेंगे और वार्ता एवं सहयोग के जरिये कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति कायम करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह व्यावहारिक कूटनीति अपनाएंगे और दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन के आधार पर त्रिपक्षीय सियोल-वाशिंगटन-टोक्यो सहयोग को बढ़ावा देंगे।



भाजपा ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाए जाने के दौरान बेंगलूरु में मची भगदड़ में हुई मौतों को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की आलोचना की और मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और गृह मंत्री जी. परमेश्वर इस घटना की जिम्मेदारी लें।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सिद्धरामय्या सरकार पर पुलिस पर दबाव डालने तथा बिना किसी तैयारी और पर्याप्त पुलिस तैनाती के समारोह आयोजित करने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने बेंगलूरु में कहा, “क्या तैयार रहना राज्य सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? क्या उन्हें

पता नहीं था कि लाखों लोग समारोह में आएंगे?”

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस घटना के लिए कर्नाटक सरकार को जिम्मेदार ठहराया और जवाबदेही तय करने की मांग की। कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट से भाजपा सांसद जोशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन के कारण इस तरह का नुकसान देखा दिल दहला देने वाला है।” उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक की राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने में स्पष्ट रूप से विफल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा की और भाजपा पर इस त्रासदी को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए लोगों की जान जाने के लिए “राज्य प्रायोजित लापरवाही” को

जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, “जश्न का माहौल त्रासदी में तब्दील हो गया है... गृह मंत्री (जी. परमेश्वर) को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री (सिद्धरामय्या) को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।” पूनावाला ने आरोप लगाया, यह राज्य प्रायोजित लापरवाही, राज्य प्रायोजित असंवेदनशीलता, राज्य प्रायोजित हत्या से कम नहीं है।”

भाजपा के एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कर्नाटक सरकार पर “आपराधिक लापरवाही” का आरोप लगाया। भंडारी ने कहा, “एक भयानक भगदड़ में निधियों लोगों की जान चली गई - यह सब इसलिए हुआ क्योंकि कांग्रेस सरकार भीड़ को संभाल नहीं पाई। कोई योजना नहीं, कोई जिम्मेदारी नहीं, कोई निष्कर्ष नहीं। यह सिर्फ कुशासन नहीं है, यह आपराधिक लापरवाही है।”